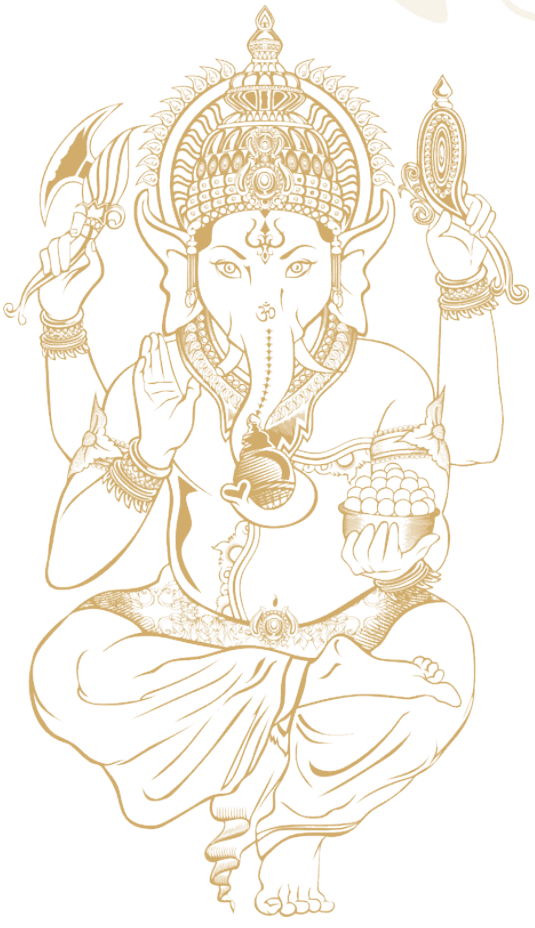

# Mr. Rajan Kumar

# Ms.Miss

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119714804

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 17-18/04/1997 | जन्म तिथि | 09/10/1998 |
| गुरु-शुक्रवार | दिन | शुक्रवार |
| घंटे 02:20:58 | जन्म समय | 15:10:00 घंटे |
| घटी 50:07:51 | जन्म समय(घटी) | 21:27:49 घटी |
| India | देश | India |
| Mehsana | स्थान | Masarkh |
| 23:37:00 उत्तर | अक्षांश | 26:06:00 उत्तर |
| 72:28:00 पूर्व | रेखांश | 84:49:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:40:08 | स्थानिक संस्कार | 00:09:16 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:17:49 | सूर्योदय | 05:46:40 |
| 19:02:27 | सूर्यास्त | 17:29:14 |
| 23:49:08 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:13 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु 2वर्ष 6मा 1दि | 17:01:32 | मक | लग्न | कुंभ | 05:56:32 | चन्द्र 8वर्ष 3मा 19दि |
| सूर्य | 04:03:26 | मेष | सूर्य | कन्या | 22:03:25 | राहु |
| 19/10/2019 | 08:33:49 | सिंह | चंद्र | वृष | 12:15:49 | 27/01/2014 |
| 19/10/2025 | 23:32:52 | सिंह व | मंगल | सिंह | 07:18:51 | 28/01/2032 |
| सूर्य 06/02/2020 | 15:25:43 | मेष व | बुध | तुला | 01:50:24 | राहु 09/10/2016 |
| चन्द्र 06/08/2020 | 23:56:51 | मक | गुरु व | कुंभ | 26:19:37 | गुरु 05/03/2019 |
| मंगल 12/12/2020 | 07:59:33 | मेष | शुक्र | कन्या | 16:41:24 | शनि 09/01/2022 |
| राहु 06/11/2021 | 18:39:48 | मीन | शनि व | मेष | 07:27:02 | बुध 28/07/2024 |
| गुरु 25/08/2022 | 04:41:30 | कन्या | राहु व | सिंह | 06:38:27 | केतु 16/08/2025 |
| शनि 07/08/2023 | 04:41:30 | मीन | केतु व | कुंभ | 06:38:27 | शुक्र 16/08/2028 |
| बुध 13/06/2024 | 14:35:23 | मक | हर्ष व | मक | 15:00:37 | सूर्य 10/07/2029 |
| केतु 18/10/2024 | 06:05:03 | मक | नेप व | मक | 05:32:54 | चन्द्र 09/01/2031 |
| शुक्र 19/10/2025 | 11:20:59 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 12:14:53 | मंगल 28/01/2032 |

**लग्न-चलित**

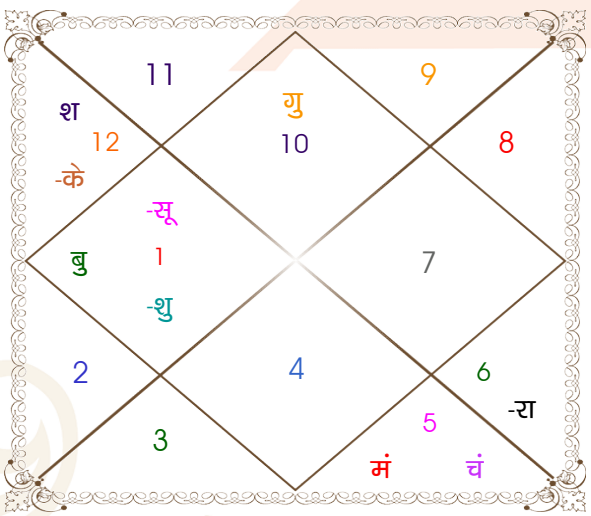


**लग्न-चलित**

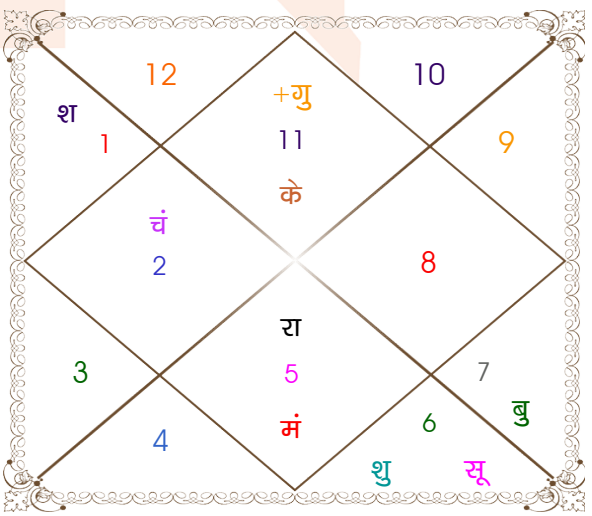

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | चतुष्पाद | 2 | 0.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | वध | क्षेम | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | सर्प | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | शुक्र | 5 | 0.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | मनुष्य | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | वृष | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 10.50 | | |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.Miss का नक्षत्र रोहिणी है।

डतण् त्रंद ड्डनउंत  का वर्ग मूषक है तथा Ms.Miss का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण् त्रंद ड्डनउंत  और Ms.Miss का मिलान ठीक नहीं है।

### मंगलीक दोष मिलान

डतण् त्रंद ड्डनउंत  मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डतण् त्रंद ड्डनउंत  कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Miss मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.Miss कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।**
**तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Ms.Miss कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.Miss कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण् त्ंरद ज्ञनउंत कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण् त्ंरद ज्ञनउंत तथा Ms.Miss में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।